D. B. College, Jainagar,
Madhubani (Bihar)
(A Constituent Unit of L.N.M. Univ Darbhanga)
Paper— INDIAN PHILOSOPHY

Dr Kumar Sonu Shankar
Assistant Professor (Guest)
Dept. of Philosophy
Date:- 03/12/2020
Lecture- 01.02
(H/S)

प्रश्न-1 भारतीय दर्शन का परिचय— I

अंग्रेजी में फिलॉसाफी शब्द का अर्थ है- ज्ञान के लिए प्रेम या विद्यानुराग। परंतु भारतीय परिदृश्य में फिलॉसफी शब्द का अर्थ दर्शन से लिया जाता है। दर्शन शब्द 'संस्कृत' भाषा के 'दृश्' शब्द से निर्मित है; जिसका अर्थ है 'देखना'। यहाँ देखने का लक्षणा अर्थ लिया जाता है। अर्थात् देखने से तात्पर्य 'जानने' से है। 'दृश्यते इति दर्शनम्'; इस व्युत्पत्ति के अनुसार 'जो देखा जाए' वह दर्शन है। इस प्रकार दर्शन शब्द से परम सत्य का ज्ञान प्राप्ति होता है।

एक अन्य व्युत्पत्ति के अनुसार 'दृश्यते अनेन इति दर्शनम्'; अर्थात् 'जिसके द्वारा देखा जाए वह दर्शन है' इस प्रकार दर्शन शब्द से उन सभी साधनों का बोध होता है जिनसे परम तत्व का ज्ञान होता है। इन दोनों व्युत्पत्तियों से ज्ञात होता है कि दर्शन शब्द प्रमेयमीमांसा और प्रमाण-मीमांसा दोनों अर्थों में प्रयुक्त होता है।

चूँकि भारतीय परंपरा में प्रमेय एवं प्रमाणमीमांसा का विकास मानव कल्याण के लिए हुआ है, अतः भारत में दर्शन ज्ञान की उपलब्धि मात्र नहीं है- जैसा पाश्चात्य दर्शन में में स्वीकार किया जाता है। इस प्रकार भारत में दर्शनशास्त्र से तात्पर्य उस विज्ञान से है जिसमें मानव कल्याण के संदर्भ में प्रमेय एवं प्रमाणों का अध्ययन किया जाता है।

Scanned with CamScanner